बी.ए. तृतीय वर्ष

हिन्दी साहित्य (प्रथम पत्र)

नोट– निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Answer any three questions of the following.

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं तीन की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

(क) "और हाय रनिवास चला वापस जब राज भवन को,
सबके पीछे चली एक विकला मसोसती मन को।
उड़ गये हो स्वप्न कि जैसे हार गई हो दाँव,
नहीं उठाये भी उठ पाते थे कुन्ती के पाँव।।"

(ख) "परशुधरके चरण की धूलि लेकर,
उन्हें, अपने हृदय की भक्ति देकर,
निराशा से विकल टूटा हुआ–सा,
किसी गिरि –श्रृंग से छूटा हुआ–सा,
चला खोया हुआ–सा कर्ण मन में,
कि जैसे चाँद चलता हो गगन में।"

(ग) अब न कपोलों पर छाया सी पड़ती मुख की सुरभित भाप,
भुज–भूलों शिथिल वसन की व्यस्त न होती है अब माप।
कंकण क्वणित रणित नूपुर थे, हिलते थे छाती पर हार,
मुखरित था कलरव, गीतों में स्वर लय का होता अभिसार।

(घ) फैला अपने मृदु स्वप्न–पंख,
उड़ गई नींद–निशि –क्षितिज पार,
अधखुले दृगों के कंज –कोष,
पर छाया विस्मृति का खुमार,
रंग रहा हृदय ले अश्रु –हास,
यह चतुर चितेरा सुध–विहान!

2. एक पौराणिक सफल काव्य की दृष्टि से 'रश्मिरथी' की समीक्षा कीजिए।

अथवा

अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' की कृतियों के आधार पर उनकी काव्य साधना पर एक सारगर्भित निबन्ध लिखिए।

3. मैथिलीशरण गुप्त काव्य के भाव एवं कला पक्षों की विवेचना कीजिए।

अथवा

प्रसाद कोमल कल्पना के कवि हैं। इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं?

4. "महादेवीजी के काव्य में तीव्र विरहानुभूति के दर्शन होते हैं। इस कथन के आलोक में महादेवी वर्मा की विरहानुभूति पर विचार कीजिए।

अथवा

गीतकाव्य की दृष्टि से पंत के काव्य की समीक्षा कीजिए।

5. 'मुक्ति बोध' के काव्य की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

अथवा

'शोक सभा' कविता के मूल भाव को स्पष्ट करते हुए रघुवीर सहाय के काव्य के कला पक्ष को उद्‌घाटित कीजिए।

6. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं तीन की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

(क) सच कहता हूं– उस समय
रॉपी की मूठ को हाथ में संभालना
मुश्किल हो जाता है
आंख कहीं जाती है
हाथ कहीं जाता है
मन किसी झूँझलाए हुए बच्चे –सा
काम पर आने से बार–बार इनकार करता है।

(ख) किन्तु ऐ दोस्त!
इनको मैं क्या कहूँ.....
जो मौत की खोज में
अपनी–अपनी बन्दूकें मशीन–गने लिए हुए
नदियों, पहाड़ो, बियावानों, सुनसानों में

(ग) राजा जागे।
समाधिस्थ संगीताकार का हाथ उठा था–
काँपी थी उँगलियाँ।
अलग अंगडाई लेकर मानों जाग उठी थी वीणा
किलक उठे थे स्वर–शिशु।
नीरव पद रखता जालिक मायावी
सधे करो से धीरे–धीरे धीरे
डाल रहा था जाल हेम–तारों का।

(ग) "सोने की वह मेघ–चील
अपने चमकीले पंखों में
ले अन्धकार अब बैठ गई दिन अण्डे पर।
नदी वधू की नथ का मोती चील ले गयी।
गगन बीड से सूरज ग्वाला हाँक रहा है दिन की गायें।
'नभ' का नीलापन चुप है,
दिशि के कन्धों पर सिर धरा।"

7. धूमिल की प्रसिद्ध कविता 'मोचीराम' के भाव सौन्दर्य को उद्घाटित करते हुए इसके शिल्प पर प्रकाश डालिए।

अथवा

"अज्ञेय में संवेदनशील और बौद्धिकता का अनूठा सन्तुलन है।" इस कथन की समीक्षा कीजिए।

8. रस के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए तथा बताइये कि विभाव का रस प्रक्रिया में क्या स्थान है।

अथवा

प्रयोगवादी कविता का संक्षिप्त परिचय देते हुए उसकी प्रमुख विशेषताएं बताइए।

9. प्रगतिवादी काव्य की सामान्य प्रवृत्तियों की सोदाहरण विवेचना कीजिए।

अथवा

छायावादी कविता के उद्भव और विकास पर सोदाहरण प्रकाश डालिए और बतलाइए कि उसके प्रवर्तन और नामकरण के विषय में आपका क्या मत है?

10. नई कविता की प्रमुख विशेषताओं का विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।

अथवा

साठोत्तरी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

11. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं तीन की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

(क) खग समूह न था अब बोलता।
विहप थे बहु नीरव हो गए।
मधुर मंजुल मत्त अलाप के
अब न यंत्र बने तरू–वृद्ध थे।

(ख) समय देवता!
ऐसे समय तुम्हें मेरी पृथ्वी का परिचय प्राप्त हुआ है।
जबकि युद्ध की चीलों के मुँह से हड्डी की गन्ध आ रही है।
युद्ध के दर्रों में मानव लुटा हुआ सा आज
एक मैदान चाहता और चाहता देश–देश की
अपनी कटी हुई नदियों का जोड़ खेत में पानी देना।

(ग) 'जाति! हाय री जाति!' कर्ण का हृदय क्षोभ में डोला
कुपित सूर्य की ओर देख वह वीर क्रोध से बोला
'जाति–जाति रटते, जिनकी पूंजी केवल पाशण,
मैं क्या जानूँ जाति? जाति हैं ये मेरे भुजदंड।

(घ) कहा केशव! बड़ा था त्रास मुझको,
नहीं था यह कभी विश्वास मुझको,
कि अर्जुन यह विपद भी हर सकेगा,
किसी दिन कर्ण रण में मर सकेगा।

12. 'मैथिलीशरण गुप्त समन्वयकारी युग के प्रतिनिधि कवि हैं।' इस कथन की विवेचना उदाहरण सहित कीजिए।

अथवा

'पंत प्रकृति के चितेरे कवि हैं।' उदाहरण सहित स्पश्ट कीजिए।

13. 'रघुवीर सहाय युग–चेतना के कवि हैं।' उनकी कविता शोकसभा के माध्यम से स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'मुक्तिबोध जनवादी कवि हैं।' स्पश्ट कीजिए।

14. नयी कविता की प्रवृत्तियों पर उदाहरण सहित एक निबन्ध लिखिए।

अथवा

द्विवेदी कालीन काव्य की प्रवृत्तियों को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

15. कर्ण महानायक के गुणों से ओत–प्रोत चरित्र है। स्पष्ट कीजिए।

अथवा

खण्ड काव्य के तत्त्वों के आधार पर 'रश्मिरथी' की समीक्षा कीजिए।

16. निम्न तीन प्रश्नों से किन्हीं दो के उत्तर लिखिए।

1. छायावादी कवियों के प्रकृति चित्रण पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
2. नौका विहार कविता के माध्यम से पंतजी ने जो संदेश दिया है, स्पष्ट कीजिए।
3. 'मोचीराम' कविता शोषित पीड़ित जन की कविता है। स्पष्ट कीजिए।

17. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं तीन की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

(क) मैने जब भी उनसे कहा है देश शासन और राशन
उन्होंने मुझे टोक दिया है।
अक्सर, वे मुझे अपराध के असली मुकाम पर
अंगुली रखने से मना करते हैं।
जिनका आधे से ज्यादा शरीर
भेड़ियों ने खा लिया है
वे इस जंगल की सराहना करते हैं–

भारतवर्श नदियों का देश है।

(ख) यह सांझ–उशा का आंगन
आलिंगन विरह–मिलन का
चिरहास अश्रुमय आनन
रे इस मानव जीवन का।

(ग) जीवन का अभिमान दान–बल से अजस्र चलता है,
उतनी बढ़ती ज्योति, स्नेह जितना अनल्प जलता है।
और दान में रोकर या हंस कर हम जो देते हैं,
अहंकारवश उसे स्वत्व का त्याग मान लेते हैं।

(ग) सिर पर कुलीनता का टीका, भीतर जीवन का रस फीका,
अपना न नाम जो ले सकते, परिचय न तेज से दे सकते
ऐसे भी कुछ नर होते हैं,
कुल को खाते औ, खोते हैं।

18. छायावादी कविता की प्रवृत्तियों की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

अथवा

प्रगतिवादी काव्य की प्रवृत्तियों की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

19. एक पौराणिक सफल काव्य की दृष्टि से 'रश्मिरथी' की समीक्षा कीजिए।

अथवा

चरित्र–सृश्टि एवं चरित्र–चित्रण की दृष्टि से 'रश्मिरथी' की समीक्षा कीजिए।

20. अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' के काव्य–सौंदर्य पर प्रकाश डालिए।

अथवा

गीति काव्य की दृश्टि से महादेवी के काव्य की समीक्षा कीजिए।

21. प्रसाद कोमल कल्पना के कवि हैं, इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं? उदाहरण सहित तर्क दीजिए।

अथवा

"अज्ञेय में संवेदनशील और बौद्धिकता का अनूठा संतुलन है।" कथन की समीक्षा उदाहरण सहित कीजिए।

बी.ए. तृतीय वर्ष
हिन्दी साहित्य (द्वितीय पत्र)
विषय–प्रयोजनमूलक हिन्दी

नोट– निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Answer any three questions of the following.

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी की प्रयुक्तियों को विस्तार से लिखिए।
2. पत्राचार के अर्थ एवं स्वरूप को बताते हुए उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
3. वर्ड प्रोसेसिंग क्या है? विस्तार से बताइए।
4. शीर्षकीकरण के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए निबन्धात्मक लेख लिखिए।
5. संपादन : तकनीकी पक्ष को विस्तार से समझाइये।
6. जनसंचार माध्यमों में भाषा के महत्व को विस्तृत रूप में लिखिए।
7. विद्युतीय माध्यम या श्रव्य दृश्य संचार माध्यमों पर एक सारगर्भित लेख लिखिए।
8. अनुवाद क्या है? इसके अर्थ एवं परिभाषा को विस्तार से लिखिए।
9. आशु अनुवाद पर निबन्ध लिखिए।
10. अनुदित पाठ की लक्ष्यभाषा की दृष्टि से जांच करें।
11. सृजनात्मक संपादन पर प्रकाश डालें।
12. मसौदा लेखन की सामान्य बातों पर प्रकाश डालें।